# 42वीं नेशनल सीनियर रोइंग चैंपियनशिप

## चर्चा में क्यों ?

3 से 7 मार्च तक **भोपाल में 42वीं नेशनल सीनियर रोइंग चैंपियनशिप** का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देश भर से 500 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

## मुख्य बिंदु

- **चैंपियनशिप के बारे में:**
  - आयोजन:
    - यह प्रतियोगिता भोपाल के **बड़े तालाब स्थित राज्य वाटर स्पोर्ट्स अकादमी, बोट क्लब** में आयोजित हो रही है।
  - **महत्त्व और उद्देश्य**
    - इस प्रतियोगिता का आयोजन **वॉटर स्पोर्ट्स को प्रोत्साहित करने और युवाओं को एक नया मंच देने के उद्देश्य से** किया जा रहा है।
    - मुख्यमंत्री ने स्वयं इस प्रतियोगिता का उद्घाटन किया है।
  - **प्रतियोगिता का स्वरूप**
    - इस प्रतियोगिता में **14 इवेंट्स** का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे 2 इवेंट्स पैरा सिंगल स्कल महिला एवं पुरुष वर्ग भी शामिल है।
    - प्रतियोगिता का समापन 7 मार्च 2025 को होगा, जिसमें सभी फाइनल्स आयोजित किये जाएंगे।
    - इसमें **कुल 27 टीमों के 500 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहें हैं**, जो प्रतियोगिता के व्यापक स्तर को दर्शाता है।

## रोइंग खेल

- **परिचय:**
  - रोइंग एक ऐसा खेल है जिसमें एथलीट एक विशेष प्रकार की नाव को **पतवारों (ओअर्स)** की मदद से आगे बढ़ाते हैं। यह अन्य वॉटर स्पोर्ट्स से अलग होता है क्योंकि इसमें **रोवर (नाविक)** की पीठ नाव की चाल की दिशा में होती है।
- **इतिहास:**
  - रोइंग की शुरुआत प्राचीन **मिस्र, ग्रीस और रोम में** एक परिवहन साधन के रूप में हुई थी।
  - एक खेल के रूप में इसकी शुरुआत 17वीं और 18वीं शताब्दी में हुई, जब यूनाइटेड किंगडम में ऑक्सफोर्ड-कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी बोट रेस का आयोजन हुआ, जिसका उद्घाटन 1828 में हुआ था।
- **प्रतिस्पर्द्धा दूरी:**
  - रोअर एथलीट व्यक्तिगत रूप से या फिर 2,4 या 8 की टीमों में 2,000 मीटर की प्रतिस्पर्द्धा करते हैं।
- **रोइंग के प्रकार:**
  - **डबल स्कल्स:** प्रत्येक एथलीट दोनों हाथों में एक-एक पतवार रखता है।
  - **स्वीप रोइंग:** एथलीट दोनों हाथों से एक ही पतवार संभालता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/42nd-national-senior-rowing-championship